from Vattathani (Tanur; Distt. Mallappuram, Kerala) to some other site; and

(b) if so, whether in view of the rising resentment against any such move to shift, Government propose to reconsider the move?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) and (b). There is no proposal to setup a Railway Workshop at Vattathani and hence the question of shifting it to any other site does not arise.

Provision for Halt of Madras-Mangalore Mail and Trivandrum-Cannanore Express at Tanur

4046. SHRI G.M. BANATWALLA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state whether in view of the increasing traffic and in order to avoid inconvenience to a large number of railway commuters, the Madras-Mangalore Mail and Trivandrum-Cannanore Express are proposed to be given a halt at Tanur (Kerala) which is an important centre of the fish trade?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): Tanur is a roadside station on Soranur-Calicut section and is, at present served by 3 pairs of passenger trains which, by and large, caters adequately to the needs of traffic. Stoppage of Madras-Mangalore Mail and Trivandrum-Cannanore Express at Tanur is not justified.

भारतीय तेल निगम द्वारा स्नेहक तेल के उत्पादन में कमी

4047. **श्री शिवनारायण सरसूनिया** क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारतीय तेल निगम द्वारा उत्पादित स्नेहक तेल के उत्पादन में कमी हुई है ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : इंडियन आयल कार्पोरेशन लि० की बरौनी और हल्दिया शोधनशालाएं की ऐसी शोधनशालाएं हैं जिनके पास ल्यूब-बेस तेलों के उत्पादन की सुविधाएं हैं । बरौनी शोधनशाला को विस्कासिता इंडैक्स लूब्रीकेटिंग तेल अर्थात पेल 800 का उत्पादन करती रही है । देश में पेल (पीले) तेल की मांग में कमी आ जाने के कारण मूलरूप में इसके उत्पादन में गिरावट आई है । हल्दिया शोधनशाला के स्नेहक तेल एकक का निर्माण इस ढंग से किया गया है कि वहां पर (ल्यूब बेस स्टाक की विशिष्ट कोटि (के) एक ऐसे उत्तम स्टाक का उत्पादन किया जा सके जिसे अब से पहले आयात किया जाता था । स्नेहक तेल के क्षेत्र को अभी हम ही में पूरा किया गया है और उसके द्वारा कार्य आरम्भ किया जा रहा है तथा उसकी जांच की जा रही है । तथापि मार्च, 1977 से तैयार शुदा ल्यूब बेस भंडार को भेजना आरम्भ कर दिया गया है ।

भारत तेल निगम के लाभ में वृद्धि

4048. **श्री शिवनारायण सरसूनिया** : क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय तेल निगम का लाभ वर्ष 1970–71 से वर्ष 1975–76 में 70 प्रतिशत से बढ़कर शत प्रतिशत हो गया है तथा क्या इसके कर्मचारियों के वेतन तथा भत्तों में भी वृद्धि की गई है;

(ख) क्या लाभ उपभोक्ता की कीमत पर अर्जित किया गया है अथवा निगम द्वारा खर्चे में किफायत करने के कारण अथवा वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को अपनाने के कारण; और

(ग) पैट्रोलियम पर आधारित उत्पादों की कीमतें कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) कर देने के बाद आई ०ओ ०सी ०को वर्ष 1970–71 में 20.32 करोड़ रुपये तथा 1975–76

मे 1975–76 में 28.67 करोड़ रुपये का लाभ हुआ जो कि लगभग 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है । इस अवधि के दौरान कर्मचारियों के वेतन तथा भत्ते बढ़ाये गये थे ।

(ख) क्योंकि पैट्रोलियम उत्पादो के मूल्य पूर्णरूप से सरकार द्वारा नियंत्रित किये जाते हैं इस लिए लाभ उपभोक्ताओं से अर्जित नहीं किया गया था । अधिक लाभ अधिक उत्पादन तथा बिक्री के साथ साथ वैज्ञानिक रीति से किये गये प्रबन्ध के फलस्वरूप हुई मितव्ययता द्वारा अर्जित किया गया था ।

(ग) इस समय पैट्रोलियम उत्पादो के मूल्यों को कम करने का कोई प्रस्ताव नही है ।

भारतीय तेल निगम के निदेशकों के वेतन

4049. **श्री शिवनारायण सरसूनिया** : क्या **पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय तेल निगम के पूर्णकालिक निदेशकों के वेतन की कुल राशि वर्ष 1975 में 1,99,890 रुपए थी ;

(ख) क्या यह राशि वर्ष 1976 मे बढ़कर 2,37,741 रुपए हो गई और इसके अलावा ये निदेशक 20 पैसे प्रति किलो मीटर की दर से भुगतान करके 500 किलोमीटर प्रति माह की दूरी तक निजी उपयोग के लिए कार की सुविधा प्राप्त करने के भी हकदार हैं ;

(ग) क्या उन्हें किसी भी क्लब की सदस्यता के लिए निगम द्वारा 570 रुपए की धनराशि का भी भुगतान किया जाता है ; और

(घ) यदि हां, तो निम्न स्तर के कर्मचारियों को उपलब्ध वेतन और सुविधाओं का ब्यौरा क्या है ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) 1974–75 मे भारतीय ते लनिगम के पूर्णकालिक निदेशकों का कुल पारिश्रमिक (वेतन और परिलब्धियों तथा सेवा निवृत्त लाभों के वित्तीय मूल्य सहित) 1,99,390 – रुपए था (1,99,890 – रुपय नहीं था) ।

(ख) 1975–76 में पूर्णकालिक निदेशकों की कुल पारिश्रमिक धनराशि को 2,37,741 – रुपए तक बढा दिया गया था । पूर्णकालिक निदेशक अपने निजी उपयोग के लिए 100 रुपए प्रति माह की दर से भुगतान करके 500 किलो मीटर प्रति माह की दूरी तक कार की सुविधा प्राप्त करने के हकदार हैं ।

(ग) 1975–76 के दौरान चार में से दो पूर्णकालिक निदेशकों को 1018 रुपए की धनराशि का भुगतान क्लब फीस के रूप में किया गया था जबकि 1974–75 में उनको 780 रुपए की धनराशि का भुगतान किया गया था ।

(घ) निम्न स्तर के कर्मचारियों को वेतन और सुविधाऐं उनके कार्य, कार्य करने के स्थान तथा कार्य तथा वेतन ग्रेड में पहुंचे हुए स्तर के आधार पर दी जाती है । अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम सरकार के इसी स्तर के कर्मचारियों को दी जाने वाली सुविधाओं से तुलना करने पर यह उनके अनुकूल हैं ।

Transport Economist as Member, Railway Board

4050. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether in the Railway Board there is no member who is academically educated as a transport economist; and

(b) whether the 'tare pay load' ratio for the rail transport is, unless tackled properly, still very discoureging?